आफरी में वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन

वृक्ष उत्पादक मेला

प्रायोजक: राष्ट्रीय प्राधिकरण कैम्पा-2025

23 सितम्बर, 2025

भावाअशिप-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर द्वारा दिनांक 23 सितम्बर, 2025 को वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन डॉ. टी. एस.राठौड ,पूर्व निदेशक आफरी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ. ए.के.त्रिपाठी, निदेशक आफरी ने की एवं डॉ. जे. पी. मिश्रा निदेशक, अटारी, व आशुतोष ओझा, मुख्य वनसंरक्षक (वन्य जीव), जोधपुर विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि एवं निदेशक सहित गणमान्यो ने मेले का अवलोकन किया एवं किसानों को सम्बोधित करते डॉ.राठौड ने वृक्षारोपण को जलवायु परिवर्तन का एक मात्र बचाव बताते हुए खेजड़ी व अन्य स्थानीय प्रजाति के गुणवत्ता पौधों के साथ जैविक खेती की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए, मृदा गुणवत्ता में सुधार एवं आय में सतत वृद्धि संभव होना बताया साथ ही आशा जतायी कि वैज्ञानिकों द्वारा बताए गई उन्नत तकनीके कृषि वानिकी के क्षेत्र हेतु लाभप्रद होंगी। आफरी निदेशक, डॉ. त्रिपाठी ने आफरी द्वारा वर्षा जल संरक्षण, मृदा संरक्षण, अवक्रमित भूमि के पुनर्वास, जैव विविधता संरक्षण एवं कृषि वानिकी क्षेत्र में किए गए अनुसंधान कार्यो की जानकारी दी एवं आशा व्यक्त की इस प्रकार के आयोजनों से किसान, एन जी ओ ,वन विभाग एवं हितधारक समूह से महत्वपूर्ण तकनीक साझा की जा सकेगी।

विशिष्ठ अतिथि ने डॉ जे. पी. मिश्रा ने कृषि वानिकी को वन क्षेत्र विस्तार में प्रभावी घटक बताया साथ ही किसानों से अधिकाधिक वृक्षारोपण की अपील की | विशिष्ठ अतिथि आशुतोष ओझा मुख्य वन सरंक्षक (वन्य जीव), जोधपुर ने भारत जैसे कृषि प्रधान देश में कृषकों एवं आफरी जैसे अनुसंधान संस्थाओं के समन्वयी प्रयासों को पर्यावरण संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण बताया| वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ तरुण कान्त ने विस्तृत रूप से मेले का परिचय दिया |

गणमान्यों द्वारा आफरी की त्रैमासिक पत्रिका “आफरी दर्पण” एवं अनुसंधान पेम्फलेट का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा आफरी परिसर में वृक्षारौपण किया गया। इस मौके पर अतिथियों का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विषय-विशेषज्ञ डॉ. टी एस राठोड ,निदेशक आफरी , उमा राम चौधरी ने वानिकी विषयों पर किसान समूह से विस्तृत चर्चा की तथा डॉ संगीता सिंह,आफरी एवं डॉ पी.आर. मेघवाल काजरी ने पूछे गए सवालों का समाधान किया । कार्यक्रम का संचालन मीता सिंह तोमर ने किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 किसानों ने भाग लिया । कार्यक्रम में पर्यावरण के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले पर्यावरणविद्, किसानों, एवं एन.जी.ओ.को प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मेले में लगी प्रदर्शनी स्टॉल में प्रथम स्थान भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण जोधपुर , द्वितीय स्थान कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, एवं तृतीय स्थान अकाष्ठ वनोपज का प्रौद्योगिकी, हस्तांतरण, आफरी, जोधपुर ने प्राप्त किया। कार्यक्रम की रुपरेखा एवं संचालन प्रभागाध्यक्ष रमेश विश्नोई,भा.व.से, एवं डॉ. बिलास सिंह, सी टी ओ के द्वारा किया गया | कार्यक्रम विकास आरोड़ा डी.सी.एफ.,डॉ.शिवानी भट्नागर ,भावना शर्मा, डॉ.देशा मीणा, राजेश गुप्ता सहित आफरी के समस्त वैज्ञानिको,अधिकारीयों एवं कर्मचारी ने भाग लिया, कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं आगन्तुकों का धन्यवाद डॉ संगीता सिंह, समूह समनव्यक शोध ने ज्ञापित किया।

ICFRE - ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR

LiFE
Lifestyle for Environment
वृक्ष उ दक मेला
TR R'S MELA
2025
संस्थान, जोधपुर
क्षा परिषद्
उत्पादक मेला
EE GROWER'S MELA
23rd September, 2025

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE (AFRI), JODHPUR
विभिन्न शोध प्रभाग
मूसली जड़

भावाअशिप- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, आफरी जोधपुर

बायोटेक एंड एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, नागौर

वृक्ष उत्पादक मे
TREE G OWE 'S
LiFE
Lifestyle for Environment

उत्पाद
REE GROWE
23rd Septe

LiFE
Lifestyle for Environment
R'S MELA
2025
संस्थान, जोधपुर
EE GROWER'S MELA

भावाअशिप- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

LiFE
वृक्ष उत्पादक
TREE